मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर- 342003

दिनांकः 16 जुलाई 2019

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र,
जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	17/07/19	18/07/19	19/07/19	20/07/19	21/07/19
वर्षा (मि.मी.)	0	0	0	0	0
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	37	37	38	38	39
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	29	30	30	31	31
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	3	2	2	0	1
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	69	69	68	68	67
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	23	23	22	22	22
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	23	20	22	18	17
हवा की दिशा	दक्षिण–दक्षिण–पश्चिम	पश्चिम–दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–पश्चिम	पश्चिम–दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–दक्षिण–पश्चिम

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाहः

फसल	अवस्था	सलाह
बाजरा,मूंग, मोठ ,तिल		खरीफ की बोई गई फसलों में मृदा नमी संरक्षित करने के लिए निराई गुडाई करें।
कपास		कपास की फसल में हरा तेला कीट के नियंत्रण हेतु एसीफेट 75 एस.पी. 2 ग्राम का प्रति लीटर पानी की दर से छिडकाव करें।
मूंगफली	वानस्पतिक	मूंगफली मे लीफ माइनर का प्रकोप होने पर पत्तियों पर पीले रंग के धब्बे दिखाई पड़ने लगते हैं। इसके गिडार पत्तियों में अन्दर ही अन्दर हरे भाग को खाते रहते हैं और पत्तियों पर सफेद धारियॉ बन जाती हैं। इसकी रोकथाम के लिए इमिडाक्लोरपिड 1 मि.ली. को एक लीटर पानी में घोलकर छिड़काव कर।
भिण्डी	वानस्पतिक	भिण्डी की फसल में पीतशीरा मोजेक वायरस रोग के नियंत्रण हेतु इमिडाक्लोप्रिड 0.3–0.5 मि.ली. प्रति लीटर पानी की दर से प्रथम छिडकाव बुवाई के 20–25 दिन बाद करें।
कुष्माण्ड कुल		कुष्माण्ड कुल की सब्जियों में बुवाई के 25–30 दिन बाद 30 किलो ग्राम नत्रजन प्रति हैक्टेयर दें।

(नौडल ऑफीसर)